तर्ज- जन्म जन्म का साथ है तुम्हारा हमारा
धर्म कर्म रूहों का साथ तुम्हारा-2
भूले से भी भूले न हम नूरी अर्श नजारा

1- तुम हो साथ हमारे,तन मन में भी हो तुम
बंद पलक में भी तुम,खुली नजर में भी तुम
खामोशी तुमसे ही कह रही,रुह चाहे अर्श नजारा

2-तुम संग झूमें रूहें,जो हैं तुझको प्यारी
इनको ही मिलती है,मस्ती इश्क खुमारी
मस्त पिया तुझमें ही रहें,न देखें कुछ भी न्यारा

3- कोई न जाने दिल की,लागी कैसी होए
खामोश रहे हर दर्द भी,नैनां भी न रोए
ऐसे रोग का आनंद हमने लेना नहीं दुबारा

Nijanand App